"पान मसाला चबाना स्वास्थ्य के लिये हानिकारक हो सकता ह"। आकाश-वाणी और दूरदर्शन पर पान-मसाला के विज्ञापन पर प्रतिबंध है ।

Critical state of Ecoiugy and Euviron-tuent

@2247. SHRI SOM PAL: Will the Minister of ENVIRONMENT AND FORESTS be pleased to state:

(a) whether Government's attention has been drawn to the views expressed by experts and researchers at the 68th Annual Meeting of the Association of Indian Universities held in New Delhi recently as reported by the Indian Express of the 20th December, 1993, alleging that valuable information churned out by researchers on critical state of ecology and environment is not being made use of by Government while formulating its policies and programmes; nod

(b) if so, what is being done to utilise the studies and their results for saving and improving environment?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF ENVIRONMENT AND FORESTS (SHRI KAMAL NATH)-(a) and (b) The Government are aware of the report. It is incorrect to say that the results of research are not being utilised while formulating policies and programmes of the Government The research results are communicated to the concerned State Governments and user agencies for information and appropriate utilisation for saving and improving environment.

"Denudation of Forests in Darjeelling Hills"

2248. SHRI RATNA BAHADUR RAI: Will the Minister of ENVIRONMENT AND FORESTS be pleased to state:

(a) whether Government are aware of the fact that a large number of rare

©Previously Unstarred Questions 1526, transferred from 3rd March,

spices of flora and fauna are on the verge of extinction in the Himalayan region of Darjeeling hills due to forest denudation;

(b) if so, what measures are being taken to protect this; and

(c) if not, what are the reasons therefor?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF ENVIRONMENT AND FORESTS (SHRI KAMAL NATH): (a) There have been some reports of destruction of forests in the Darjeeling hills with an adverse impact on the flora and fauna.

(b) The State Government have been requested to ensure that such activities are stopped.

(c) Does not arise.

बिहार के आदिवासियों पर वन-नीति का प्रभाव

2249. श्री एस०एस० अहलुवालिया : क्या पर्यावरण और वन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि उसकी वर्तमान वन-नीति के कारण बिहार के आदिवासी, जिनकी आय का मुख्य स्रोत वनोत्पाद है, बुरी तरह से प्रभावित हुए हैं, क्योंकि वन विभाग के कर्मचारी उन्हें वनों से जीविकोपार्जन नहीं करने देते हैं ;

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार बिहार के आदिवासियों को वनों की उपज, जैसे फल, फूल और जड़ी बूटियां (औषधीय पादप) इत्यादि एकत्र कर तथा उन्हें बेच कर जीविकोपार्जन करने की अनुमति देने के लिये अपनी वन-नीति में आवश्यक परि-वर्तन करने का विचार रखती है ;और

(ग) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ।

पर्यावरण और वन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री कमल नाथ) : (क) राष्ट्रीय वन नीति में आदिवासियों को जलाने की लकड़ी, चारा, गैर-काष्ठ वन उत्पाद, इमारती लकड़ी आदि की उनकी घरेलू आवश्यकताओं की पूर्ति के लिये दिए जाने वाले अधिकारों और रियायतों की सुरक्षा की व्यवस्था है । बिहार में 80 प्रतिशत से अधिक वन क्षेत्र अधिकारों से बोझिल बने हुये हैं जहां ग्रामीण वन उत्पाद संबंधी अपने अधिकारों का प्रयोग करते हैं । वे जलाने की लकड़ी, चारा, गैर-काष्ठ वन उत्पाद तथा लट्ठे आदि जैसी इमारती लकड़ी अपने उपयोग के लिये बिना किसी लागत से प्राप्त करते हैं । राज्य की ग्रामीण अर्थ व्यवस्था के सुधार में अनेक गैर-काष्ठ वन उत्पादों का योगदान होता है । वन क्षेत्र की सीमा में रहने वाले लोगों के गुजारे में इन उत्पादों में से प्रायः प्रत्येक उत्पाद एक निर्णायक भूमिका अदा करता है । वे रोजगार पैदा करते हैं । जो प्रायः स्व-रोजगार होता है और नकद आय की प्राप्ति होती है । आदिवासी विभिन्न गैर-काष्ठ वन उत्पादों का संग्रह करने के लिये स्वतंत्र हैं । राष्ट्रीयकृत वस्तुओं के मामले में उन्हें अपने एकत्रित उत्पादों को सरकारी अभिकरणों को बेचना होता है । गैर-राष्ट्रीयकृत वस्तुओं के मामले में वे अपने एकत्रित उत्पाद के अपनी सुविधानुसार निपटान हेतु स्वतंत्र होते हैं ।

(ख) और (ग) प्रश्न नहीं उठता ।

Installation of pollution control equipments by Suar Mills

2250. SHRI ISH DUTT YADAV:
SHRI SYED SIBTEY RAZI:

Will the Minister of ENVIRONMENT AND FORESTS be pleased to state:

(a) whether some existing norms provide for installation of pollution control equipments by Sugar Mills;

(b) if so, the details thereof,

(c) whether it is a fact that large number of sugar mills have not installed such equipments despite the existing instructions;

(d) if so, give names of such sugar mills, State and Union-Territory-wisc as on 15-2-1994;

(e) whether Government propose to take some action against defaulting sugar mills playing with the lives of people;

(f) if so, the details thereof and if not, the reasons therefor;

(g) whether Government propose to fix some deadline for provision of these equipments; and

(h) if so, the details thereof and if not, the reasons therefor?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF ENVIRONMENT AND FORESTS (SHRI KAMAL NATH): (a) and (b) There are no norms for providing installation of pollution control equipment by sugar factories. The Government have notified only standards for the effluents and emissions under the Environment (Protection) Act, 19S6, which the industries have to comply. State Boards can take the legal samples and in case the samples are not complying with the prescribed standards, the industries can be prosecuted.